राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा वितरण मूल्यांकन (NeSDA)

संदर्भ: प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (DARPG) ने **'NeSDA - वे फॉरवर्ड मंथली रिपोर्ट'** का 5वां संस्करण जारी किया है, जिसमें राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों में ई-सेवा वितरण स्थिति का विवरण दिया गया है।

ई-सर्विसेज

- 13,867 ई-सेवाएँ प्रदान की गई; जो पिछले महीने से 6.3% अधिक है।
- 2,016 अनिवार्य ई-सेवाओं में से 1,397 उपलब्ध (69% संतृप्ति) हैं।
- स्थानीय शासन एवं उपयोगिता सेवाओं में सर्वाधिक ई-सेवाएँ (5,203) हैं।
- 58% राज्यों/केंद्रशासित प्रदेशों ने पर्यटन क्षेत्र में संतृप्ति हासिल की है।

शिक्षा क्षेत्र ई-सेवाएँ

- शिक्षा क्षेत्र में 911 ई-सेवाएँ शामिल हैं।
- **उप-विषय**: दस्तावेज़ प्रबंधन (297), संस्थान सहायता (297), छात्रवृत्ति (202), विनियमन (78), अन्य (37)।
- मध्य प्रदेश 122 ई-सेवाओं के साथ अग्रणी राज्य है, इसके बाद कर्नाटक (113), केरल (92) हैं।
- कर्नाटक सबसे विशिष्ट ई-सेवा प्रकार (21) प्रदान करता है।

सर्वोत्तम प्रथाएं

- **गुजरात की जी-शाला**: ई-सामग्री के साथ एलएमएस (ग्रेड I-XII)।
- **मध्य प्रदेश:** ऑनलाइन आरटीई पोर्टल के माध्यम से 100% सीट आवंटन किया गया।
- **नागालैंड:** राज्य में छात्रवृत्ति के लिए सामान्य छात्रवृत्ति पोर्टल का संचालन किया जाता है।
- **हिमाचल प्रदेश**: एचपीटेक बोर्ड पोर्टल के माध्यम से पॉलिटेक्निक/आईटीआई के लिए ऑनलाइन प्रवेश की सुविधा देता है।
- **कर्नाटक**: मूल्यांकन बोर्ड पोर्टल के माध्यम से राज्य परीक्षाओं का डिजिटलीकरण किया गया।

एनईएसडीए

- राज्यों, केंद्र शासित प्रदेशों और केंद्र सरकार द्वारा नागरिकों को ऑनलाइन सेवा वितरण की प्रभावशीलता बढ़ाने के लिए समय-समय पर मूल्यांकन किया जाता है।
- कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन मंत्रालय इस मूल्यांकन को जारी करने के लिए जिम्मेदार है।
- मूल्यांकन में सेवा पोर्टल और संबंधित मूल मंत्रालय/पोर्टल विभाग दोनों शामिल हैं।
- 2021 में, प्रशासनिक सुधार और लोक शिकायत विभाग (DARPG) ने ज्ञान साझेदार NASSCOM और KPMG के सहयोग से मूल्यांकन किया।
- इस मूल्यांकन को NeSDA (राष्ट्रीय ई-गवर्नेंस सेवा वितरण मूल्यांकन) के रूप में जाना जाता है।
- इसका पहला संस्करण 2019 में लॉन्च किया गया था।
- विशेष रूप से, जुलाई में जारी हालिया संस्करण एनईएसडीए के पांचवे संस्करण का प्रतिनिधित्व करता है।

MeitY-NSF अनुसंधान सहयोग

संदर्भ: भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका ने MeitY-NSF अनुसंधान सहयोग के हिस्से के रूप में प्रस्तावों का संयुक्त आह्वान पेश किया है।

- इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY) ने MeitY-राष्ट्रीय विज्ञान फाउंडेशन (NSF) अनुसंधान सहयोग के तहत प्रस्तावों के लिए पहली संयुक्त कॉल की घोषणा की है।
- MeitY और NSF ने मई 2023 में अनुसंधान सहयोग पर एक कार्यान्वयन व्यवस्था (IA) पर हस्ताक्षर किए थे।
- इस सहयोग का उद्देश्य जून 2023 में प्रधान मंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान भारत और संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकारों के संयुक्त वक्तव्य के अनुरूप, पारस्परिक हित के क्षेत्रों में खोजों और नवाचारों को बढ़ावा देना है।
- प्रस्तावों के लिए पहली संयुक्त कॉल अर्धचालक अनुसंधान, अगली पीढ़ी की संचार प्रौद्योगिकियों, साइबर सुरक्षा, स्थिरता, हरित प्रौद्योगिकियों और AI परिवहन प्रणालियों पर केंद्रित होगी।
- प्रस्ताव को जमा करने की शुरुआत 21 अगस्त, 2023 सेहोगी और अंतिम तिथि 5 जनवरी, 2024 है।
- सहयोग का उद्देश्य प्रोटोटाइप, पायलट स्केल प्रदर्शन, क्षेत्र परिनियोजन और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के माध्यम से प्रौद्योगिकी को आगे बढ़ाना है।
- परियोजना की सफलता सुनिश्चित करने के लिए अमेरिका और भारत की टीमों को परीक्षण प्रदाताओं, स्थानीय समुदायों और उद्योग भागीदारों के साथ साझेदारी करने के लिए प्रोत्साहित किया जाता है।

एनएसएफ

- नेशनल साइंस फाउंडेशन (एनएसएफ) एक स्वतंत्र अमेरिकी संघीय एजेंसी है जो चिकित्सा अनुसंधान को छोड़कर, विभिन्न वैज्ञानिक और इंजीनियरिंग क्षेत्रों में मौलिक अनुसंधान और शिक्षा का समर्थन करती है।
- यह लगभग 8.3 बिलियन डॉलर (वित्तीय वर्ष 2020) के वार्षिक बजट के साथ संचालित होता है और अमेरिकी विश्वविद्यालयों और कॉलेजों द्वारा आयोजित संघीय समर्थित बुनियादी शोध का लगभग 25% वित्त पोषित करता है।
- एनएसएफ गणित, कंप्यूटर विज्ञान, अर्थशास्त्र और सामाजिक विज्ञान जैसे विषयों के लिए संघीय वित्त पोषण का एक प्रमुख स्रोत है।
- एनएसएफ निदेशक और उप निदेशक को अमेरिकी राष्ट्रपति द्वारा चुना जाता है, और उनकी भूमिकाओं में प्रशासन, बजट और दिन-प्रतिदिन के संचालन शामिल हैं।
- राष्ट्रीय विज्ञान बोर्ड (एनएसबी), जिसमें राष्ट्रपति द्वारा नियुक्त 24 सदस्य शामिल हैं, यह समग्र नीतियां स्थापित करता है और वर्ष में छह बार मिलता है। एनएसबी सदस्यों के लिए सीनेट की पुष्टि की आवश्यकता नहीं है।
- वर्तमान एनएसएफ निदेशक सेथुरमन पंचनाथन हैं।

भारत-अमेरिका विज्ञान और प्रौद्योगिकी फोरम (आईयूएसएसटीएफ)

- भारत-यू.एस. विज्ञान और प्रौद्योगिकी फोरम (IUSSTF) की स्थापना मार्च 2000 में भारत और अमेरिका के बीच एक समझौते के माध्यम से की गई थी।

- यह दोनों सरकारों द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित स्वायत्त द्विपक्षीय संगठन।
- इसका उद्देश्य सरकार, शिक्षा और उद्योग की बातचीत के माध्यम से विज्ञान, प्रौद्योगिकी, इंजीनियरिंग और नवाचार को बढ़ावा देना है।
- **नोडल विभाग:** विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (भारत), अमेरिकी विदेश विभाग।
- यह सहयोगात्मक पहल के माध्यम से विज्ञान, प्रौद्योगिकी और नवाचार में उत्कृष्टता की कल्पना करता है।
- यह व्यक्तिगत वैज्ञानिकों, संस्थानों और समुदायों को जोड़कर दीर्घकालिक वैज्ञानिक साझेदारी की सुविधा प्रदान करता है।
- यह भारत और अमेरिका के बीच वैज्ञानिक सहयोग और अनुसंधान आदान-प्रदान को बढ़ावा देता है।

ध्वनिक क्रिप्टोनालिसिस

संदर्भ: "की-बोर्ड पर एक प्रैक्टिकल डीप लर्निंग-आधारित ध्वनिक साइड चैनल अटैक" शीर्षक से एक अध्ययन दर्शाता है कि आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) कीस्ट्रोक ध्वनियों का विश्लेषण करके पासवर्ड को डिकोड कर सकता है।

- ध्वनिक क्रिप्टोएनालिसिस साइड-चैनल हमले का एक रूप है जो कंप्यूटर जैसे उपकरणों द्वारा उत्सर्जित ध्वनियों का लाभ उठाता है।
- यह विधि मुख्य रूप से कंप्यूटर कीबोर्ड और आंतरिक घटकों द्वारा उत्पन्न ध्वनियों को लक्षित करती है।
- ऐतिहासिक रूप से, ध्वनिक क्रिप्टोएनालिसिस का उपयोग इम्पैक्ट प्रिंटर और इलेक्ट्रोमैकेनिकल डिसीफ़रिंग मशीनों के साथ किया गया है।
- **कीबोर्ड ध्वनि का शोषण करने वाली तकनीक**
  - दबाई गई कुंजियों का पता लगाने के लिए कीबोर्ड पर टाइप करते समय उत्पन्न होने वाली ध्वनियों का उपयोग करना।
  - हैकर्स इन विशिष्ट ध्वनियों का विश्लेषण करके विशिष्ट अक्षरों और संख्याओं को डिकोड कर सकते हैं।
- **एएससीए विभिन्न स्रोतों का उपयोग करके हमले करता है**
  - शोधकर्ताओं ने एएससीए हमलों के लिए ज़ूम कॉल, स्मार्टफोन माइक्रोफोन और सामान्य उपकरण और एल्गोरिदम से ऑडियो रिकॉर्डिंग का उपयोग किया।
  - विभिन्न ऑडियो स्रोतों में विधि की प्रभावशीलता की जांच की गई।
- **आस-पास के फ़ोनों के साथ उच्च सटीकता**
  - अध्ययन से पता चला कि पास के फोन से कीस्ट्रोक्स के साथ क्लासिफायरियर को प्रशिक्षित करने से प्रभावशाली 95% सटीकता प्राप्त हुई।
  - यह सटीकता भाषा मॉडल का उपयोग किए बिना हासिल की गई, जो एक उच्च सटीकता उपलब्धि है।
- **गहन शिक्षण मॉडल की सफलता**
  - जब एक गहन शिक्षण मॉडल को डिफ़ॉल्ट सेटिंग्स के साथ प्रशिक्षित किया गया, तो इसने डेटा की प्रभावी ढंग से व्याख्या की।
  - हाल के ऐप्पल मॉडल के समान कीबोर्ड डिज़ाइन वाले मैकबुक प्रो पर, मॉडल ने न्यूनतम प्रशिक्षण डेटा के साथ उल्लेखनीय सटीकता हासिल की।
- **स्मार्टफोन माइक्रोफोन पहचान**
  - जब AI मॉडल को स्मार्टफोन माइक्रोफोन के माध्यम से रिकॉर्ड किए गए ऑडियो से कीस्ट्रोक्स को पहचानने के लिए प्रशिक्षित किया गया, तो उसने प्रभावशाली 95% सटीकता हासिल की।
- **महत्वपूर्ण निहितार्थ**
  - इस हैकिंग विधि में पासवर्ड और व्यक्तिगत संदेशों जैसी संवेदनशील जानकारी को चुराने की क्षमता है।
  - यह तकनीक डेटा सुरक्षा और उपयोगकर्ता गोपनीयता के लिए जोखिम उत्पन्न करती है।

साइड चैनल अटैक (एससीए)

साइड-चैनल हमला एक हैकिंग है जो प्रोग्राम को सीधे लक्षित करने के स्थान पर उसके हार्डवेयर के अप्रत्यक्ष प्रभावों का उपयोग करके सिस्टम से जानकारी एकत्र करता है। इन हमलों का उद्देश्य अनपेक्षित हार्डवेयर उत्सर्जन के माध्यम से क्रिप्टोग्राफ़िक कुंजियों जैसे संवेदनशील डेटा तक पहुंच बनाना है। इन्हें कभी-कभी साइडबार हमलों या कार्यान्वयन हमलों के रूप में जाना जाता है।

प्रकार:

- **विद्युत चुम्बकीय**:

हमलावर आंतरिक संकेतों के पुनर्निर्माण के लिए एक उपकरण द्वारा उत्सर्जित विद्युत चुम्बकीय विकिरण को मापता है।

- प्रारंभिक साइड-चैनल हमले, जैसे वैन एक फ्रीकिंग, विद्युत चुम्बकीय तरीकों पर केंद्रित थे।
- आधुनिक हमले गुप्त कुंजी प्राप्त करने के लिए क्रिप्टोग्राफ़िक संचालन को मापते हैं।
- सॉफ़्टवेयर-परिभाषित रेडियो (एसडीआर) उपकरण दीवारों के माध्यम से भी विद्युत चुम्बकीय हमलों की सुविधा प्रदान करते हैं।

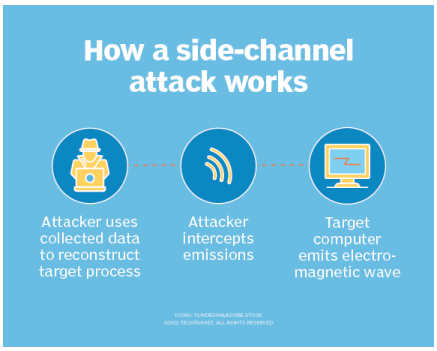

- **ध्वनिक:**
  - हमलावर किसी उपकरण द्वारा उत्पन्न ध्वनि को पकड़ लेता है।
  - प्रूफ़-ऑफ़-कॉन्सेप्ट हमले ऑडियो रिकॉर्डिंग से कीस्ट्रोक्स का पुनर्निर्माण करते हैं।
  - हैकर्स इलेक्ट्रॉनिक घटक ध्वनियों को सुनकर जानकारी एकत्र कर सकते हैं।
- **शक्ति:**
  - हैकर डिवाइस गतिविधि का अनुमान लगाने के लिए बिजली की खपत को मापता है या प्रभावित करता है।
  - बिजली के उपयोग और समय की निगरानी से सिस्टम व्यवहार का पता चलता है।
  - हमले, प्लंडरवोल्ट के समान, हमलावर को लाभ पहुंचाने के लिए शक्ति में हेरफेर कर सकते हैं।

➢ **ऑप्टिकल:**

- हमलावर सिस्टम जानकारी के लिए दृश्य संकेतों का उपयोग करता है।
- कंप्यूटर के विरुद्ध शायद ही कभी उपयोग किया जाता है; कंपन करने वाली वस्तुओं से ऑडियो का पुनर्निर्माण कर सकता है।
- साधारण शोल्डर सर्फ़िंग हमले भी इस श्रेणी में आ सकते हैं।

➢ **समय:**

- यह हमलावर अंतर्दृष्टि प्राप्त करने के लिए ऑपरेशन समय का उपयोग करता है।
- यह सटीक भविष्यवाणियों के लिए सिस्टम के बीच संचालन समय की तुलना करना।

➢ **मेमोरी कैश:**

- हमलावर मेमोरी कैशिंग और प्री-फ़ेचिंग का फायदा उठाता है।
- अनधिकृत पहुंच के लिए कैशिंग का दुरुपयोग करना; स्पेक्टर और मेल्टडाउन कमजोरियों ने इसका फायदा उठाया।

➢ **हार्डवेयर कमजोरियाँ:**

- हैकर्स भौतिक प्रणाली विशेषताओं का उपयोग करके व्यवहार को प्रेरित करते हैं।
- रो हैमरिंग हमले आस-पास के स्मृति क्षेत्रों को उलट देते हैं; ईसीसी मेमोरी उन्हें रोक सकती है।
- कोल्ड बूट अटैक में बिजली हटाने के बाद जानकारी बनाए रखने के लिए रैम तापमान को कम करना शामिल है।

NEWS IN BETWEEN THE LINES

केरल फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क परियोजना

केरल फाइबर ऑप्टिक नेटवर्क (KFON) प्रोजेक्ट क्या है?

➢ KFON केरल सरकार द्वारा शुरू की गई एक महत्वपूर्ण पहल है।

➢ इसका उद्देश्य गरीबी रेखा से नीचे (BPL) और आम जनता सहित नागरिकों की एक विस्तृत श्रृंखला को इंटरनेट कनेक्टिविटी प्रदान करना है।

लॉन्च और टाइमलाइन:

➢ यह प्रोजेक्ट वर्ष 2019 में लॉन्च किया गया था।

➢ इस परियोजना का पहला चरण जून 2023 में शुरू किया गया था।

उद्देश्य: KFON का प्राथमिक लक्ष्य समाज के सभी वर्गों के लिए सस्ती और सुलभ इंटरनेट कनेक्टिविटी सुनिश्चित करके डिजिटल विभाजन को समाप्त करना है।

लक्षित लाभार्थी:

➢ यह परियोजना राज्य में गरीबी रेखा (BPL) से नीचे के 20 लाख (2 मिलियन) परिवारों को मुफ्त इंटरनेट सुविधा प्रदान करने पर केंद्रित है।

तान्शे (TANSCHE)

तान्शे (TANSCHE) क्या है?

➢ TANSCHE का अर्थ है "**तमिलनाडु राज्य उच्च शिक्षा परिषद**"। यह तमिलनाडु सरकार द्वारा वर्ष 1992 में 1/5 जनादेश के साथ स्थापित एक स्वायत्त निकाय है।

कार्यप्रणाली: यह विभिन्न संस्थानों के बीच शिक्षा कार्यक्रमों और अन्य साझेदारियों का समन्वय करता है।

उद्देश्य: इसका उद्देश्य तमिलनाडु में उच्च शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा देना है।

स्वायत्तता बनाम समान पाठ्यक्रम:

➢ TANSCHE ने शुरू में कॉलेजों के लिए एक "समान पाठ्यक्रम" को बढ़ावा दिया।

➢ TANSCHE के माध्यम से स्वायत्त महाविद्यालयों को समान पाठ्यक्रम से बाहर निकलने की अनुमति दी गई।

समान पाठ्यक्रम विवाद:

➢ TANSCHE के द्वारा प्रस्तावित समान पाठ्यक्रम को संकाय और कुलपतियों के विरोध का सामना करना पड़ा।

➢ TANSCHE ने गहन परामर्श के अभाव में पाठ्यक्रम सम्बन्धी की चिंताएँ बढ़ा दीं।

सरकार की जिम्मेदारी:

➢ TANSCHE की प्रभावी कार्यप्रणाली सुनिश्चित करने में सरकार की भूमिका अनिवार्य है।

➢ उच्च शिक्षा में सुधार के लिए TANSCHE की प्रासंगिकता में विश्वास का पुनर्निर्माण महत्वपूर्ण है।

मद्रास दिवस

मद्रास दिवस प्रत्येक 22 अगस्त को चेन्नई, भारत में मनाया जाने वाला एक वार्षिक कार्यक्रम है। यह वर्ष 1639 में शहर की स्थापना की याद दिलाता है जब इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी ने कोरोमंडल तट पर भूमि का अधिग्रहण किया था।

नाम परिवर्तन (चेन्नई):

➢ मद्रास के विरासतीय महत्त्व को दर्शाने के लिए वर्ष1996 में इसका नाम बदलकर चेन्नई कर दिया गया।

➢ यह नाम फोर्ट सेंट जॉर्ज के पास मछली पकड़ने वाले गांव चेन्नापट्टनम के नाम से लिया गया है।

ऐतिहासिक पृष्ठभूमि:

➢ ब्रिटिश ईस्ट इंडिया कंपनी द्वारा एक व्यापारिक पोस्ट के रूप में स्थापित।

➢ फोर्ट सेंट जॉर्ज की स्थापना से इस शहर की शुरुआत मानी जाती है।

संस्थापक का आगमन: फ्रांसिस डे 1639 में **'द ईगल'** नामक जहाज से पहुंचे, जिसके बाद इस शहर की स्थापना हुई।

विविध सांस्कृतिक विरासत: ब्रिटिश, डच और पुर्तगाली प्रभावों सहित मद्रास के समृद्ध सांस्कृतिक इतिहास का एक अपना महत्त्व है।

यासुनी राष्ट्रीय उद्यान

भौगोलिक अवस्थिति:

- यासुनी राष्ट्रीय उद्यान **इक्वाडोर का अमेज़ॅन** वर्षावन क्षेत्र में अवस्थित है।
- यह इक्वाडोर देश के पश्चिमी भाग में स्थित है।

यूनेस्को बायोस्फीयर रिजर्व:

- इस पार्क को वर्ष **1989 में यूनेस्को** द्वारा विश्व बायोस्फीयर रिजर्व के रूप में नामित किया गया।
- इसके पारिस्थितिक महत्व और संरक्षण सहित सतत विकास को संतुलित करने के प्रयासों के लिए जाना जाता है।

जैव विविधता हॉटस्पॉट:

- यासुनी विश्व स्तर पर सबसे अधिक जैव विविधता वाले क्षेत्रों में से एक के रूप में प्रसिद्ध है।
- पौधों और जानवरों की प्रजातियों की अविश्वसनीय विविधता का घर।

वनस्पति एवं जीव विविधता:

- यहाँ लगभग 610 पक्षी प्रजातियाँ, 139 उभयचर प्रजातियाँ और 121 सरीसृप प्रजातियाँ निवास करती हैं।
- उष्णकटिबंधीय वर्षावनों और आर्द्रभूमियों सहित यह पार्क विविध पारिस्थितिक तंत्रों का समर्थन करता है।

स्वदेशी समुदाय:

- यासुनी राष्ट्रीय उद्यान में **टैगायटे** और **टैरोमेनानी** जैसे स्वदेशी जनजातियों का निवास है।
- ये जनजातियाँ अक्सर अपने पारंपरिक जीवन शैली को संरक्षित करते हुए, आत्म-अलगाव में रहना पसंद करती हैं।

वैश्विक जलवायु प्रभाव:

यासुनी राष्ट्रीय उद्यान का संरक्षण कार्बन-समृद्ध पारिस्थितिक तंत्र की रक्षा करके वैश्विक जलवायु लक्ष्यों में योगदान देता है।

1918 इन्फ्लुएंजा वायरस

1918 इन्फ्लुएंजा वायरस क्या है?

- 1918 इन्फ्लूएंजा वायरस, जिसे आमतौर पर स्पैनिश फ्लू के रूप में जाना जाता है, इन्फ्लूएंजा का एक गंभीर और घातक करक था जो 1918 और 1919 के बीच एक वैश्विक महामारी का कारण बना।
- इसके व्यापक प्रभाव और उच्च मृत्यु दर के कारण इसे इतिहास की सबसे विनाशकारी महामारियों में से एक माना जाता है।

1918 इन्फ्लुएंजा वायरस के लक्षण:

- **मूल:** वायरस की सटीक उत्पत्ति पर अभी भी बहस चल रही है, लेकिन इसे "स्पैनिश फ़्लू" नाम दिया गया क्योंकि महामारी की शुरुआती रिपोर्टें स्पेन से आईं, जो प्रथम विश्व युद्ध में तटस्थ था।
- **वायरस प्रकार:** इस महामारी के लिए ज़िम्मेदार वायरस H1N1 इन्फ्लूएंजा A वायरस था।
- **तीव्रता:** 1918 फ्लू महामारी असामान्य रूप से गंभीर थी, जिसने सभी आयु समूहों को प्रभावित किया, विशेष रूप से युवा वयस्क इसकी चपेट में थे।
- **ट्रांसमिशन:**यह श्वसन बूंदों के माध्यम से फैलता था और अत्यधिक संक्रामक था।
- **वैश्विक प्रसार:** प्रथम विश्व युद्ध के दौरान सैनिकों की आवाजाही के कारण यह वायरस तेजी से फैला।
- **मृत्यु दर:** विभिन्न देशों में मृत्यु दर अलग-अलग थी, लेकिन कुछ मामलों में, यह सामान्य मौसमी इन्फ्लूएंजा की तुलना में बहुत उच्च स्तर तक पहुंच गई। इस वायरस के कारण दुनिया भर में अनुमानित 50 मिलियन मौतें हुईं।

पीला सैली कीट

पीला सैली कीट क्या है?

पीली सैली एक सामान्य नाम है जिसका उपयोग स्टोनफ्लाई परिवार पर्लोडिडे से संबंधित जलीय कीड़ों के एक समूह को संदर्भित करने के लिए किया जाता है, विशेष रूप से जीनस आइसोपरला की प्रजातियों को।

विशेषताएँ:

उपस्थिति:

- पीली सैलीज़ का शरीर आमतौर पर जैतून-पीले रंग का होता है, जो उन्हें उनका सामान्य नाम देता है।
- उनके दो जोड़े पंख, लंबे शरीर और पेट के अंत में प्रमुख सेर्सी (पूंछ जैसे उपांग) होते हैं।

आकार: वे अपेक्षाकृत छोटे कीड़े हैं, जिनकी लंबाई आमतौर पर लगभग 6 से 15 मिलीमीटर तक होती है।

प्राकृतिक वास: वे नदियों और झरनों सहित स्वच्छ और साफ़ बहते पानी में रहना पसंद करते हैं, जहाँ वे अपने जीवन के अधिकांश चरण बिताते हैं।

संरक्षण के प्रयासों:

- वैज्ञानिकों ने कीट को बचाने के लिए एक बचाव अभियान शुरू किया।
- चेस्टर चिड़ियाघर में इसका सफल प्रजनन आज की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

दुर्लभ पीली सैली:

- पहले यह कीट, आइसोजेनस नुबेकुला, 1959 और 1995 के बीच कभी-कभी ब्रिटिश नदियों में पाया जाता था।
- कालांतर में वर्ष 2017 में ब्रेक्सहैम के पास डी (Dee) नदी के एक छोटे से हिस्से में इसे फिर से देखा गया।

समाचार में व्यक्तित्व

शीला असोपा

शीला असोपा भारतीय राज्य राजस्थान की एक प्रसिद्ध शिक्षिका और जल संरक्षणवादी हैं।

शिक्षा में नेतृत्व:

- इन्होंने राजस्थान के जोधपुर जिले में विभिन्न स्कूलों के प्रिंसिपल के रूप में कार्य किया है।
- स्टूडेंट की भागीदारी और जागरूकता को बढ़ाने के लिए इन्होंने कई नवीन पहल की शुरुआत की।

पहल: जल संसद

- वर्ष 2022 के मध्य में श्याम सदन स्कूल में "जल संसद" की अवधारणा को आगे बढ़ाया।
- इसे जल संरक्षण गतिविधियों के लिए छात्र-नेतृत्व वाला एक मंच बनाया।

पहल का प्रसार:

- जल संसद पहल को जोधपुर जिले के कई स्कूलों तक विस्तारित किया गया।
- जल संरक्षण में विद्यार्थियों की सक्रिय भागीदारी को बढ़ावा दिया गया।

मान्यता और पुरस्कार:

जून 2023 में केंद्रीय जल शक्ति मंत्रालय से शीला असोपा को प्रतिष्ठित राष्ट्रीय जल पुरस्कार भी प्राप्त हुआ है।

समाचारों में स्थान

त्रिनिदाद और टोबैगो

भौगोलिक स्थिति:

- यह कैरेबियन सागर के सबसे दक्षिणी भाग में और दक्षिण अमेरिका के उत्तरपूर्वी तट पर स्थित है।

भौगोलिक घटक:

- इसमें दो मुख्य द्वीप शामिल हैं - त्रिनिदाद और टोबैगो।
- कई छोटे द्वीप देश के क्षेत्र इस द्वीप का हिस्सा हैं।

राजधानी:

- पोर्ट ऑफ़ स्पेन: त्रिनिदाद और टोबैगो की राजधानी।
- यह त्रिनिदाद के उत्तर-पश्चिमी तट पर स्थित है।

भौतिक विशेषताऐं:

- **उत्तरी रेंज:** त्रिनिदाद के उत्तरी तट पर पर्वत श्रृंखला।
- **केंद्रीय मैदान:** कृषि गतिविधियों वाली समतल भूमि।

कैरेबियन सागर तक पहुंच:

- यहाँ संभावित समुद्री गतिविधियों के साथ कैरेबियन सागर तक आसान पहुंच उपलब्ध है।
- यह क्षेत्र तटीय क्षेत्र मछली पकड़ने और पर्यटन के लिए महत्वपूर्ण हैं।

POINTS TO PONDER

- **चंद्रमा के उत्तरपूर्वी छोर के पास लैंडिंग क्रेटर का क्या नाम है**? - हेन
- **उत्तरी सागर की सीमा से लगे देश कौन से हैं**? - ग्रेट ब्रिटेन, डेनमार्क, नॉर्वे, जर्मनी, नीदरलैंड, बेल्जियम और फ्रांस
- **चेन्नई के दो सहयोगी शहर कौन से हैं**? - डेनवर और सैन एंटोनियो
- **तगेरी और ताओमेनानी किस देश की जनजातियाँ हैं**? – इक्वाडोर
- **नॉकआउट प्रारूप शुरू होने के बाद से** FIDE **विश्व कप फाइनल में प्रवेश करने वाले पहले भारतीय कौन बन गए हैं**? – आर. प्रग्गनानंद